प्री बोर्ड परीक्षा 2021-22
कक्षा-10 (हिंदी)
केवल प्रश्नपत्र

समय:- 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक-70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए– 1

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक प्रसिद्ध निबन्धकार हैं।

(ii) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी एक महान कहानीकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(iii) जयशंकर प्रसाद एक प्रसिद्ध आलोचक हैं।

(iv) उर्वशी के लेखक जयप्रकाश भारती हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक के लेखक का नाम लिखिए– 1

(i) कुटज (ii) लहरों के राजहंस

(iii) पुरस्कार (iv) अतीत के चलचित्र

(ग) चिन्तामणि के लेखक कौन हैं? 1

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) अज्ञेय

(iii) दिनकर (iv) जयशंकर प्रसाद

(घ) निर्मला के लेखक का क्या नाम है? 1

(i) प्रेमचन्द (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) भगवतीचरण वर्मा (iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ङ) कलम के सिपाही के लेखक कौन हैं? 1

(i) अमृतराय (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) प्रेमचन्द (iv) दिनकर

2. (क) रीतिकाल की दो प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए। 2

(ख) छायावाद की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

(ग) किन्हीं दो प्रगतिवादी कवियों के नाम लिखिए। 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $2 + 2 + 2 = 6$

(क) मित्र का कर्त्तव्य इस प्रकार बताया गया है–उच्च और महान् कार्य में हर प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ। यह कर्त्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़चित्त और सत्य-संकल्प का हो। इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(ब) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(स) (i) हमें कैसे मित्रों की खोज में रहना चाहिए? 2

(ii) मित्र का कर्त्तव्य कैसा होना चाहिए?

(ख) कितना जीवन बरस पड़ा है इन दीवारों पर, जैसे फसाने-अजायब का भण्डार खुला पड़ा हो। कहानी से कहानी बनती चली गई है।

बन्दरों की कहानी, हाथियों की कहानी, हिरनों की कहानी। कहानी क्रूरता और भय की, दया और त्याग की। जहाँ बेरहमी है वहीं दया का भी समुद्र उमड़ पड़ा है, जहाँ पाप है वहीं क्षमा का सोता फूट पड़ा है। राजा और कँगले, विलासी और भिक्षु, नर और नारी, मनुष्य और पशु सभी कलाकारों के हाथों सिरजते चले गए हैं। हैवान की हैवानी को इन्सान की इन्सानियत से कैसे जीता जा सकता है, कोई अजन्ता में जाकर देखे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) (अ) दीवारों पर बने चित्र किन-किन से सम्बन्धित हैं?

(ब) कलाकारों ने किसके जीवन का चित्रांकन किया है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौन्दर्य लिखिए– $1 + 4 + 1 = 6$

(क) निरगुन कौन देस को वासी. . . . . .सबै मति नासी।

(ख) विषुवत् रेखा का वासी जो, जीता है नित हाँफ-हाँफ कर।
रखता है अनुराग अलौकिक, यह भी अपनी मातृभूमि पर।।
ध्रुव-वासी, जो हिम में तम में, जी लेता है काँप-काँप कर।
वह भी अपनी मातभमि पर, कर देता है प्राण निछावर।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय एवं एक रचना लिखिए– 2 + 1 = 3

(i) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय एवं एक रचना लिखिए– 2 + 1 = 3

(i) सूरदास (ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) महादेवी वर्मा (iv) रसखान

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 1 + 3 = 4

एषा कर्मवीराणां संस्कृतिः। 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः' इति अस्याः उद्घोषः। पूर्वं कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृते नियमः। इदानीं यदा वयं राष्ट्रस्य नवनिर्माणे संलग्नाः स्मः निरन्तरं कर्मकरणम् अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यम्। निजस्य श्रमस्य फलं भोग्यं, अन्यस्य श्रमस्य शोषणं सर्वथा वर्जनीयम्। यदि वयं विपरीतम् आचरामः तदा न वयं सत्यं भारतीय-संस्कृतेः उपासकाः। वयं तदैव यथार्थं भारतीयाः यदा अस्माकम् आचारे विचारे च अस्माकं संस्कृतिः लक्षिता भवेत्। अभिलषामः वयं यत् विश्वस्यय अभ्युदयाय भारतीय संस्कृतेः एकः दिवसः संदेशः लोके सर्वत्र प्रसरेत्।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वार्थवान् भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई एक ऐसा श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए– 1 + 1 = 2

(i) वाराणस्यां कति विश्वविद्यालयः सन्ति?

(ii) पुरुराजः केन सह युद्धम् अकरोत्?

(iii) पदेन बिना किम् दूरं याति?

(iv) विश्वस्यं स्रष्टा कः?

8. (क) हास्य अथवा करुण रस की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए। 1 + 1 = 2

(ख) उपमा अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा लिखिए तथा उसका एक उदाहरण दीजिए। 1 + 1 = 2

(ग) रोला छन्द की परिभाषा लिखिए एवं उसका एक उदाहरण दीजिए। 1 + 1 = 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए– 1 + 1 + 1 = 3

(i) उप (ii) अभि

(iii) अनु (iv) अधि

(v) सु (vi) सह

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए– 1 + 1 = 2

(i) अन (ii) ता

(iii) त्व (iv) आई

(v) हट (vi) अक

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– 1 + 1 = 2

(i) पाप-पुण्य (ii) त्रिवेणी

(iii) नवग्रह (iv) सुख-दुःख

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए– 1 + 1 = 2

(i) आम (ii) ओठ

(iii) घटिका (iv) कपूर

(ङ) निम्नांकित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए– 1 + 1 = 2

(i) अग्नि (ii) आँख

(iii) पत्थर (iv) पवन

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए– 1 + 1 = 2

(i) सु + आगतम् (ii) मधु + अरिः

(iii) अति + अधिकम् (iv) गुरु + आदेशः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप तृतीया विभक्ति बहुवचन में लिखिए– 1 + 1 = 2

(i) फल अथवा नदी

(ii) मति अथवा मधु

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए– 2

(i) पठति

(ii) अहसत्

(iii) पठेव

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 1+1=2

(i) शिष्य ने गुरु से प्रश्न किया।

(ii) माता भूमि से बढ़कर है।

(iii) वाराणसी गंगा के किनारे स्थित है।

(iv) तुमको पढ़ना चाहिए।

(v) बच्चे मैदान में खेलते हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 6

(i) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ii) विज्ञान के चमत्कार

(iii) मेरी प्रिय पुस्तक (रामचरितमानस)

(iv) वृक्ष धरा के आभूषण हैं

(v) पुस्तकालय का महत्त्व

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए– 3

(क) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण के चरित्र का निरूपण कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'राजसूय यज्ञ' का उल्लेख कीजिए।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर चतुर्थ सर्ग का सारांश अपनी भाषा में लिखिए।

(ङ) (i) 'ज्योति जवाहर' काव्य के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक (चन्द्रशेखर आजाद) का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग (संकल्प) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(ज) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक कौन हैं? उनकी चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध एवं लक्ष्मण की मूर्च्छा शीर्षक सर्ग (नवम् सर्ग) का वर्णन कीजिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर हनुमान का चरित्र लिखिए।